
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
CLASS 10th
GEOGRAPHY
ARJUN
BATCH
Chapter-4 | Part-7
AGRICULTURE

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

कपास
जूट

1. रेशेदार फसलें
2. प्रौद्योगिकी और संस्थागत सुधार
3. किसान कल्याणकारी योजनाएँ व कार्यक्रम
4. भूदान - ग्रामदान आंदोलन

विनोबा भावे

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रेशेदार फसलें —









RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत में उगाई जाने वाली चार मुख्य रेशेदार फसलें — कपास, जूट, सन, प्राकृतिक-रेशम
- इनमें से पहली तीन मिट्टी में फसल उगाने से प्राप्त होती हैं; चौथी रेशम के कीड़े के कोकून से प्राप्त होती है
- (रेशम का कीड़ा मलबरी पेड़ की हरी पत्तियों पर पलता है)
- (रेशम-उत्पादन के लिए रेशम के कीड़ों का पालन 'रेशम उत्पादन' (Sericulture) कहलाता है)

सेरी कल्चर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मानसून आगमन

कपास —

- भारत को कपास के पौधे का मूल-स्थान माना जाता है।
- सूती कपड़ा उद्योग में कपास एक मुख्य कच्चा माल है।
- कपास उत्पादन में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है (2017) (वर्तमान)
- दक्कन पठार में काली-मिट्टी कपास उत्पादन के लिए उपयुक्त मानी जाती है। नमी धारण क्षमता सर्वाधिक
- उगाने के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई, 210 पाला रहित दिन और खिली धूप की आवश्यकता होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

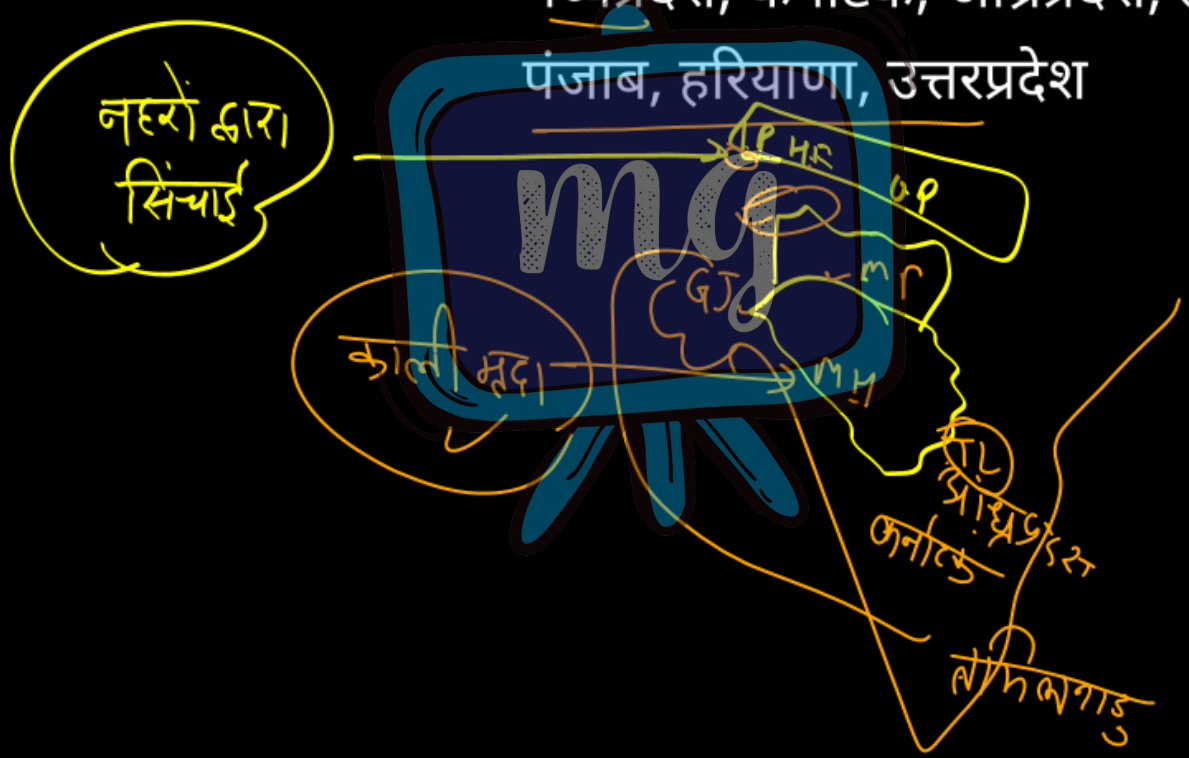
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह खरीफ़ की फसल है और इसे पककर तैयार होने में 6 से 8 महीने लगते हैं।



कपास

मुख्य उत्पादक राज्य — महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

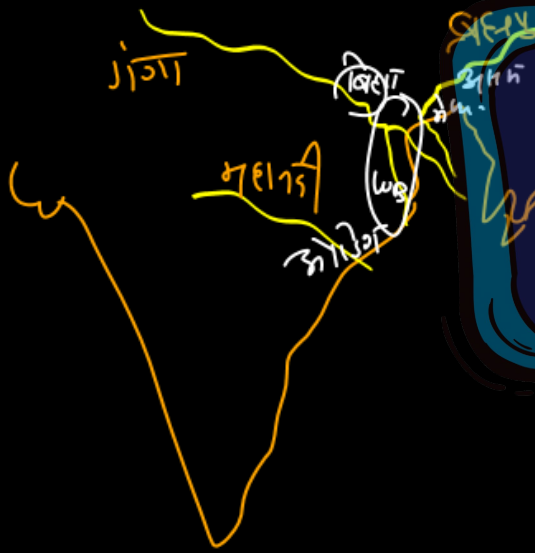


जूट —

- "सुनहरा रेशा"
- जूट की फसल बाढ़ के मैदानों में जलनिकास वाली उर्वरक मिट्टी में उगाई जाती है जहाँ हर वर्ष बाढ़ से आई नई मिट्टी जमा होती रहती है।
- इसके बढ़ने के समय उच्च तापमान की आवश्यकता होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मुख्य उत्पादक राज्य — पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा, मेघालय।

प्रयोग — बोरियाँ, चटाई, रस्सी, तंतु व धागे, गलीचे आदि बनाने में।

इसकी उच्च लागत और कृत्रिम रेशों (विशेषकर नाइलोन) की कीमत कम होने के कारण बाज़ार में इसकी माँग कम।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रौद्योगिकी और संस्थागत सुधार

कृषि







बढ़ती जनसंख्या

=



बढ़ती भोजन मांग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में कृषि क्षेत्र में संस्थागत व तौद्योगिकी सुधारों की आवश्यकता क्यों महसूस होती है?

Ans.

आवश्यकता क्यों — (भू-निम्नीकरण)

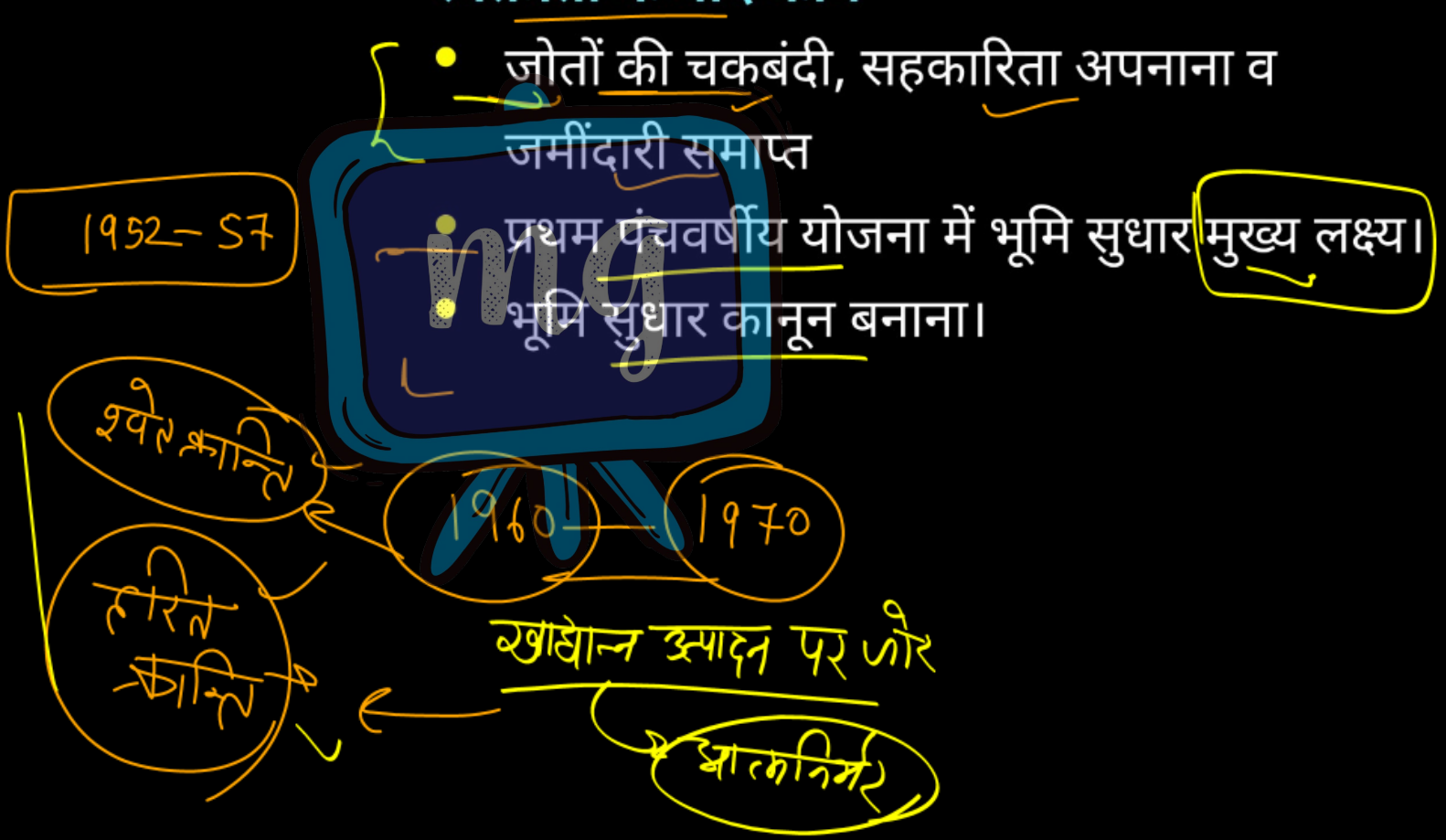
- लगातार भूमि संसाधनों के प्रयोग से कृषि विकास अवरूद्ध
- कृषि विकास की गति मन्द
- सिंचाई साधनों के विकास के उपरांत भी बहुत बड़े भाग में कृषि मानसून पर निर्भर
- कृषि, भूमि की प्राकृतिक उर्वरता पर निर्भर
- 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या की आजीविका कृषि पर निर्भर।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्वतंत्रता के बाद कार्य —

- जोतों की चकबंदी, सहकारिता अपनाना व जमींदारी समाप्त
- प्रथम पंचवर्षीय योजना में भूमि सुधार मुख्य लक्ष्य।
- भूमि सुधार कानून बनाना।



1960 व 1970 में भारत सरकार द्वारा कृषि सुधार—

- हरित व श्वेत क्रांति - पैकेज टेक्नोलॉजी पर आधारित
- विकास सीमित क्षेत्र तक रहा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1980 व 1990 के दशक के कार्य —

- भूमि सुधार हेतु व्यापक कार्यक्रम शुरू।
- फसल बीमा का प्रावधान - सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग व बीमारी के लिए कम दर पर किसान ऋण हेतु ग्रामीण बैंक व सहकारी समितियों की स्थापना।

सस्ती दर पर ऋण